

पाठ-2

एक दल की प्रधानता का युग

प्रभुत्व या प्रधानता का अर्थ :-

किसी एक पार्टी का लम्बे समय तक राजसत्ता पर कब्जा रखना एक दलीय प्रणाली की शुरूआत 1952-67 तक हालांकि भारत में बहुदलीय प्रणाली को अपनाया गया था फिर भी लगातार तीन आम चुनावों में कांग्रेस का सत्ता पर कब्जा बरकरार रहा।

एक दलीय प्रभुत्व के प्रभाव

नयाक पूजा या व्यक्तित्व पूजा

कमज़ोर विपक्षी दल

राजनीतिक स्थिरता

सत्ता का केन्द्रीकरण

भारत में एक दल (कांग्रेस) के प्रभुत्व के कारण

जनसाधारण में कांग्रेस की पहचान व पकड़

आजादी की लड़ाई में कांग्रेस की भूमिका

पण्डित नेहरू जैसे प्रभावशाली व्यक्तित्व

मजबूत संगठन और विभिन्न विचारधाराओं का समावेश

पामर ने कांग्रेस को छाता संगठन कहा तो बी. आर. अम्बेडकर ने इसकी तुलना 'सराय' से की

मुख्य विपक्षी पार्टियां-

स्वतंत्र पार्टी 1959

भारत जनसंघ 1951

कम्यूनिस्ट व सोशलिस्ट पार्टी (1948)

केरल बंगाल व बिहार में कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया का काफी प्रभाव रहा। 1964 में इस पार्टी का विभाजन हुआ।

सोशलिस्ट पार्टी का निर्माण आचार्य नरेन्द्र देव ने 1948 में किया। पार्टी लोकतांत्रिक समाजवाद की विचारधारा में विश्वस रखती थी।

- 5 कांग्रेस व्यापक अर्थों में एक सामाजिक व विचारधारात्मक गठबंधन थी जिसमें हर हित समूह को समाहित करने की क्षमता थी।
- आधुनिक युग में मतदान के तरीकों में परिवर्तन आया है। आज E.V.M. (Electronic Voting Machine) का प्रयोग मतदान के लिये किया जाता है साथ ही मतदान की आयु भी 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई है।

भारत में अब संगठित विरोधी दल (विपक्षी दल) पाया जाता है।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. भारत के प्रथम चुनाव आयुक्त का नाम लिखिये
2. किसके अनुसार ‘राजनीति में नायक पूजा का भाव सीधे पतन की ओर ले जाता है’।
3. पहले तीन आम चुनावों में किस पार्टी को बहुमत मिला?
4. स्वतंत्र पार्टी का गठन कब हुआ?
5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई?
6. सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक का नाम लिखिये।
7. कांग्रेस की ‘सराय’ से तुलना किसने की?
8. भारतीय जनसंघ की स्थापना किसने की?
9. एक दल की प्रधानता का काल लिखिये?
10. नम्बूदरीपाद कौन थे?
11. मौलाना अबुलकलाम आजाद का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिये।
12. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमण्डल में स्वास्थ्य मंत्री कौन थे?
13. कांग्रेस प्रणाली क्या थी?
14. कांग्रेस दल का चुनाव चिन्ह क्या था?
15. फिल्म ‘सिंहासन’ की कहानी किस विषय पर केन्द्रित थी?
16. संविधान प्रदत्त आपातकालीन शक्तियों का सर्वप्रथम दुरूपयोग कब और कहाँ हुआ?

दो अंको वाले प्रश्न :-

1. ‘राजनीति समस्या नहीं अपितु समस्या का समाधान है’। स्पष्ट कीजिए।
2. कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति समझाइये।
3. केंगल में कांग्रेस पार्टी की हार के क्या कारण थे?

4. एक दलीय पार्टी के प्रभुत्व का भारतीय राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ा था?
5. सी. राजगोपालाचारी का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिये।
6. मानचित्र देखकर बताइये कि पहले तीन आम चुनावों में कौन-सी पार्टी दूसरे स्थान पर रही।
7. इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी (PRI) से क्या अधिप्राय है? यह किस देश में कार्यरत है?
8. 1967 का वर्ष कांग्रेस के लिये अशुभ क्यों साबित हुआ?

चार अंकों वाले प्रश्न :-

1. उन कारकों पर प्रकाश डालिये जिनके कारण कांग्रेस को प्रथम आम चुनावों में भारी सफलता हासिल की?
2. कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया की नीति व कार्यक्रम लिखिये।
3. कांग्रेस किन अर्थों में एक विचारात्मक गठबंधन थी? समझाइये।
4. प्रथम लोकसभा के चुनावों के समय भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति बताइये।
5. भारत में चुनावों के बदलते तरीकों पर प्रकाश डालिये।
6. पण्डित जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत में सार्वभौमिक मताधिकारी के लिये किये जाने वाले प्रयासों पर सम्पूर्ण विश्व की निगाहें क्यों टिकी थीं?
7. कांग्रेस के गठबंधनी स्वभाव ने उसे एक असाधारण ताकत दी इस सम्बंध में अपने विचार प्रकट कीजिये।
8. भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी का विभाजन कब और क्यों हुआ?

छः अंकों वाले प्रश्न :-

1. भारत और मैक्सिको में एक पार्टी के प्रभुत्व में क्या अंतर रहा है? प्रकाश डालिये।
2. एक दलीय प्रभुत्व का भारतीय लोकतंत्र के चरित्र पर क्या प्रतिकूल प्रभाव पड़ा? विस्तार से समझाइये।
3. कांग्रेस में विद्यमान विभिन्न विचारधारात्मक परिस्थितियों का उल्लेख कीजिये।
4. भारत में प्रथम आम चुनावों के सफल हो जाने पर विश्व क्यों आवाक रह गया? उन कारकों पर प्रकाश डालिये जिनके कारण चुनावों के सफल संचालन में बाधा हो सकती थी?

5. भरतीय कम्यूनिस्ट पार्टी का विचार था कि 1947 में सत्ता का हस्तांतरण सच्ची आजादी नहीं थी? सच्ची आजादी प्राप्त करने के लिये उन्होंने क्या रास्ता अपनाया।
6. भारत में लोकतंत्रात्मक राजनीतिक दलों तथा दलीय प्रतिस्पर्धा को सशक्त बनाने वाले कारकों की विवेचना कीजिये।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. सुकुमार सेन
2. डॉ. भीमराव अम्बेडकर
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
4. 1959
5. 1885
6. आचार्य नरेन्द्र देव
7. डॉ. भीमराव अम्बेडकर
8. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
9. 1952 से 1967 तक
10. कांग्रेस के नेता, महान स्वतंत्रता सेनानी, स्वतंत्र भारत के पहले मंत्री मण्डल में शिक्षा मंत्री
12. राजकुमारी अमृत कौर
13. लोकतांत्रिक सरकार के शुरुआती सालों में कांग्रेस शासक दल व विपक्ष दोनों की भूमिका निभाई जिसे कांग्रेस प्रणाली कहा गया था।
14. बैल की जोड़ी
15. राजनीति के जोड़-तोड़ व भ्रष्टाचार
16. 1959 में केरल की कम्यूनिस्ट सरकार को अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत बर्खास्त कर दिया गया।

दो अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. समाज में साधनों का उचित बटवारा करने के लिये राजनीति ही सबसे उचित माध्यम है। इसीलिये राजनीति समस्या नहीं बल्कि समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है।
2. नायक पूजा व एक दलीय प्रभाव
4. कमज़ोर विपक्ष
4. सत्तातांत्रीकरण में अब क्या बदलाव होता है?

5. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व प्रसिद्ध साहित्यकार भारत के प्रथम गवर्नर जनरल, स्वतंत्र पार्टी के संस्थापक, भारत रल से सम्मानित
7. मैक्सिको में इस पार्टी का शासन लगभग साठ साल तक रहा है। 1929 में पार्टी का निर्माण हुआ। इसे मैक्सिकन क्रांति की विरासत हासिल रही है।
8. इस साल में 5 राज्यों में कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई और 'दलबदल' के कारण तीन राज्यों में सरकार गिर गई।

चार अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. (i) नेहरू का प्रभावशाली व्यक्तित्व
(ii) कांग्रेस पार्टी का अनुभव
(iii) अनुशासित व संगठित दल
(iv) कमज़ोर विपक्षी दल
2. 1941 में साम्यवादी दल कांग्रेस से अलग हुआ। यह देश की समस्याओं के समाधान के लिये साम्यवादी राह अपनाने की सरफदारी कर रहे थे। पार्टी का मानना था कि 1947 में सत्ता का हस्तांतरण सच्ची आजादी नहीं थी। 1951 में पार्टी ने हिंसक क्रांति का रास्ता छोड़ चुनावों में भाग लेने का निर्णय लिया और 16 सीटे जीती।
3. कांग्रेस में हर वर्ग जाति धर्म के लोग शामिल थे जिससे सामाजिक एकता कायम हुई इसके साथ ही पार्टी ने सभी विचारधाराओं को जगह दी इस प्रकार कांग्रेस में सभी समूहों व दलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त था। यहां एक विचार सर्वोपरि नहीं थी बल्कि सभी विचारधाराओं को कांग्रेस ने समाहित कर लिया था।
4. भारतीय समाज में महिलाओं को वह स्थान प्राप्त नहीं था जो पुरुषों को था। राजनीतिक क्षेत्र में उनकी नुमाइंदगी बहुत कम थी। महिलाओं की अपनी कोई पहचान न थी वह केवल पुरुष से संबंधित रिश्ते से पहचानी जाती थीं।
5. मतपेटी की जगह वोटिंग मशीन
मतदान आयु 21 से 18 वर्ष
चुनाव आयोग की सक्रियता आदि
6. भारत में सर्वप्रथम चुनाव होने जा रहे थे। जनसाधारण इस प्रक्रिया से बिलकुल अनभिज्ञ थे साथ ही गरीबी, अशिक्षा महिला वर्ग की भागीदारी न होना आदि चुनावों में बड़ी बाधा बन सकते थे।

7. विरोधी स्वभाव व विचारों को समाहित कर लेने की क्षमता के कारण कांग्रेस विपक्षी दलों पर हावी रही दूसरे सभी विचारधाराओं को साथ लेकर चलने की क्षमता के कारण हर वर्ग व विचार कांग्रेस में समाहित होता गया।
8. भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी का विभाजन 1964 में हुआ जिसका कारण चीन व सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक अंतर आना था। सोवियत संघ को सही मानने वाले कम्यूनिस्ट पार्टी में रहे जबकि चीन के हामी सदस्यों ने सी. पी. आई (एम) सी. पी. आई (एम) के नाम से अलग दल बनाया।

छ: अंकों वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. मैक्सिकों में पार्टी प्रभुत्व लोकतंत्र की कीमत पर कायम हुआ है जबकि भारत में पार्टी प्रभुत्व होते हुए अनेक विपक्षी दलों का अस्तित्व भी कायम रहा।
कांग्रेस को तीन आम चुनावों में भारत बहुमत मिला क्योंकि कोई विपक्षी दल ठोस कार्यक्रम लेकर चुनाव नहीं लड़ा।
2. हाँ, लोकतंत्र पर प्रतिकूल असर पड़ा जो आगे चलकर 1975 की आपातकालीन तानाशाही सरकार के रूप में परिवर्तित हुआ।
5. साम्यवादी राह अपनाने की तरफदारी करते हुए हिंसक रास्ता अपनाया। तेलंगाना में हिंसक विद्रोह को बढ़ावा दिया।
6. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग ने सफल चुनाव सम्पन्न कराये हैं। यहां स्वतंत्र प्रेस है। जो लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती है तथा स्वतंत्र न्यायपालिका का महत्व सर्वोपरि है।